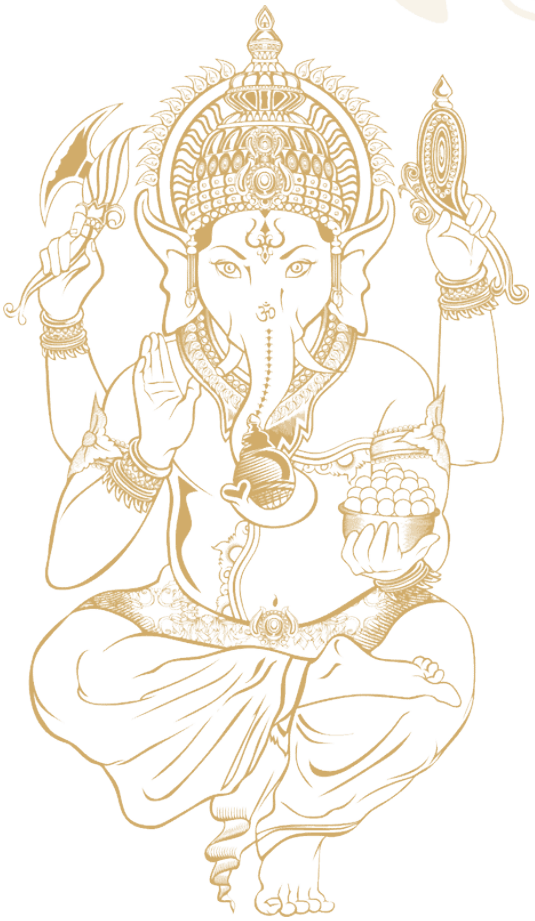

Mr.

10 Aug 2025

09:05 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119052207

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/08/2025**
दिन	रविवार
जन्म समय	**09:05:00 घंटे**
इष्ट	07:23:58 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:27:32 घंटे
वेलान्तर	-00:05:22 घंटे
साम्पातिक काल	05:43:02 घंटे
सूर्योदय	06:07:24 घंटे
सूर्यास्त	19:17:39 घंटे
दिनमान	13:10:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:34:06 कर्क
लग्न के अंश	01:58:41 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गे-गेंदा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	01:58:41	323:54:30	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			कर्क	23:34:06	00:57:32	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	03:55:40	13:41:42	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	07:45:55	00:37:33	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
बुध	व		कर्क	10:06:33	00:07:46	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	19:25:12	00:12:22	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	17:24:23	01:10:18	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		मीन	07:04:35	00:02:40	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:17:59	00:02:09	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:17:59	00:02:09	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	06:56:29	00:01:20	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	07:37:17	00:01:04	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	08:00:19	00:01:21	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	01:53:31	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:57

लग्न-चलित

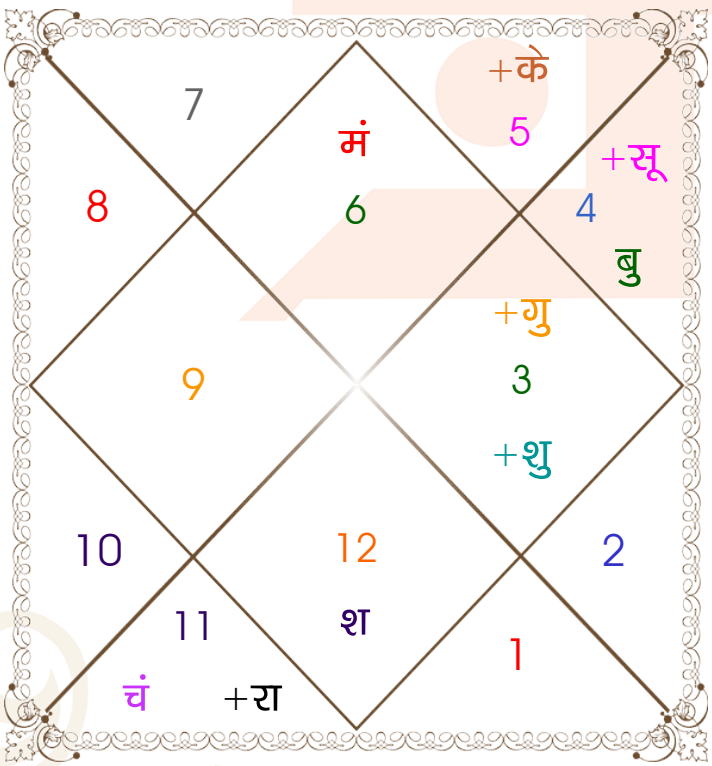

चन्द्र कुंडली

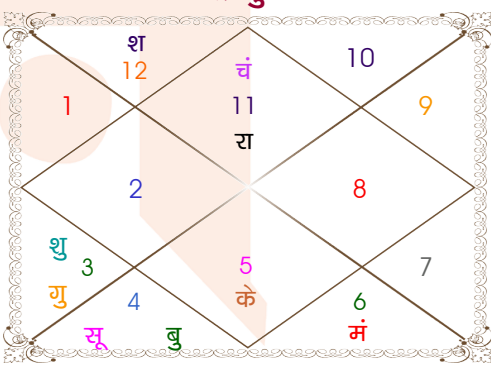

नवमांश कुंडली

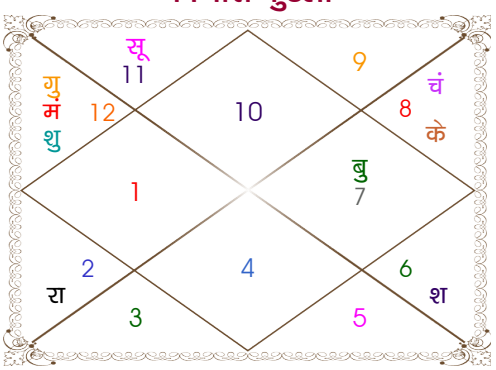

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 5 मास 7 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
10/08/2025		17/01/2027		17/01/2045		17/01/2061		17/01/2080	
17/01/2027		17/01/2045		17/01/2061		17/01/2080		17/01/2097	
	00/00/0000	राहु	29/09/2029	गुरु	07/03/2047	शनि	20/01/2064	बुध	15/06/2082
	00/00/0000	गुरु	23/02/2032	शनि	17/09/2049	बुध	29/09/2066	केतु	12/06/2083
	00/00/0000	शनि	30/12/2034	बुध	24/12/2051	केतु	08/11/2067	शुक्र	12/04/2086
	00/00/0000	बुध	18/07/2037	केतु	29/11/2052	शुक्र	08/01/2071	सूर्य	17/02/2087
	00/00/0000	केतु	06/08/2038	शुक्र	31/07/2055	सूर्य	21/12/2071	चंद्र	18/07/2088
	10/08/2025	शुक्र	05/08/2041	सूर्य	18/05/2056	चंद्र	21/07/2073	मंगल	15/07/2089
शुक्र	10/02/2026	सूर्य	30/06/2042	चंद्र	17/09/2057	मंगल	30/08/2074	राहु	02/02/2092
सूर्य	18/06/2026	चंद्र	30/12/2043	मंगल	24/08/2058	राहु	06/07/2077	गुरु	09/05/2094
चंद्र	17/01/2027	मंगल	17/01/2045	राहु	17/01/2061	गुरु	17/01/2080	शनि	17/01/2097

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/01/2097		18/01/2104		18/01/2124		18/01/2130		18/01/2140	
18/01/2104		18/01/2124		18/01/2130		18/01/2140		00/00/0000	
केतु	15/06/2097	शुक्र	20/05/2107	सूर्य	07/05/2124	चंद्र	18/11/2130	मंगल	15/06/2140
शुक्र	15/08/2098	सूर्य	19/05/2108	चंद्र	06/11/2124	मंगल	19/06/2131	राहु	04/07/2141
सूर्य	21/12/2098	चंद्र	18/01/2110	मंगल	13/03/2125	राहु	18/12/2132	गुरु	10/06/2142
चंद्र	22/07/2099	मंगल	20/03/2111	राहु	05/02/2126	गुरु	19/04/2134	शनि	20/07/2143
मंगल	18/12/2099	राहु	20/03/2114	गुरु	24/11/2126	शनि	18/11/2135	बुध	16/07/2144
राहु	05/01/2101	गुरु	18/11/2116	शनि	06/11/2127	बुध	19/04/2137	केतु	12/12/2144
गुरु	12/12/2101	शनि	18/01/2120	बुध	12/09/2128	केतु	18/11/2137	शुक्र	11/08/2145
शनि	21/01/2103	बुध	18/11/2122	केतु	18/01/2129	शुक्र	20/07/2139		00/00/0000
बुध	18/01/2104	केतु	18/01/2124	शुक्र	18/01/2130	सूर्य	18/01/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 5 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।